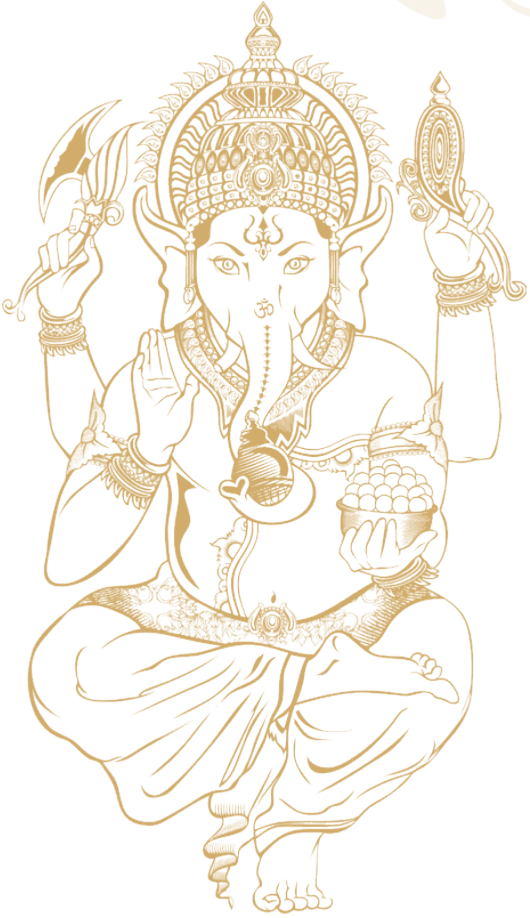

Ms. Tanvi

10 Mar 1996

10:55 PM

Dadri

Model: web-freekundliweb

Order No: 119082704

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **10/03/1996**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **22:55:00 घंटे**
इष्ट	: 40:49:09 घटी
स्थान	: **Dadri**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 28:33:00 उत्तर
रेखांश	: 77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 22:35:12 घंटे
वेलान्तर	: -00:10:15 घंटे
साम्पातिक काल	: 09:49:51 घंटे
सूर्योदय	: 06:35:20 घंटे
सूर्यास्त	: 18:25:11 घंटे
दिनमान	: 11:49:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 26:37:15 कुम्भ
लग्न के अंश	: 26:05:46 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	: **वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: हर्षण
करण	: गर
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:05:46	307:14:47	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			कुंभ	26:37:15	00:59:55	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चिक	00:59:46	13:37:53	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	नीच राशि
मंगल		अ	कुंभ	25:18:33	00:47:08	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	11:30:57	01:40:40	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			धनु	19:28:22	00:08:55	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	11:20:20	01:05:58	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि		अ	मीन	02:47:28	00:07:25	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कन्या	23:31:51	00:01:35	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	23:31:51	00:01:35	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	09:23:25	00:02:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	03:17:06	00:01:32	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चिक	09:18:12	00:00:10	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	01:22:57	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री   स - स्थिर
अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:20

लग्न-चलित

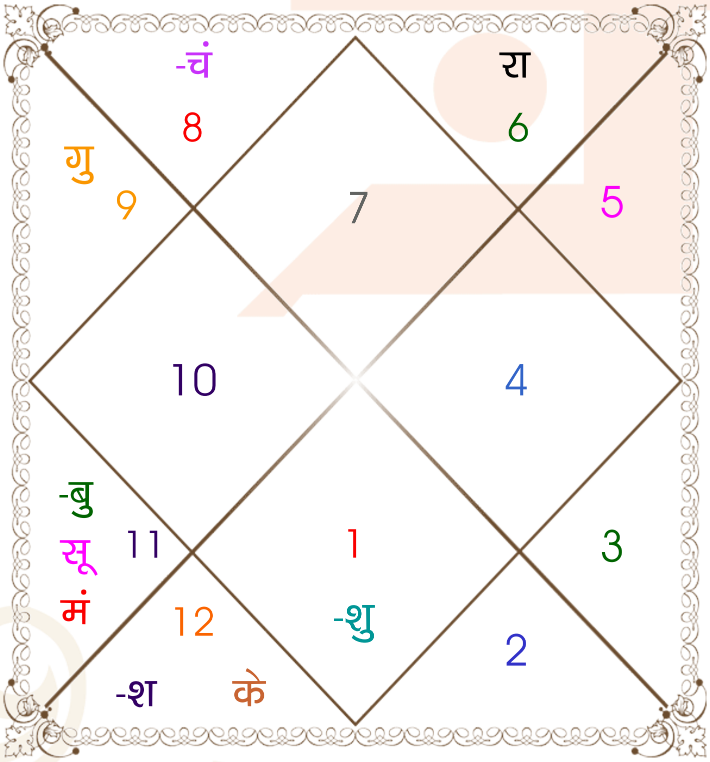

चन्द्र कुंडली

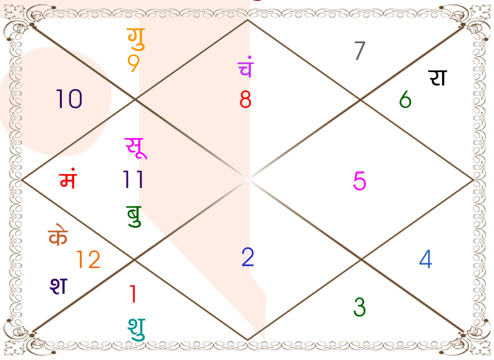

नवमांश कुंडली

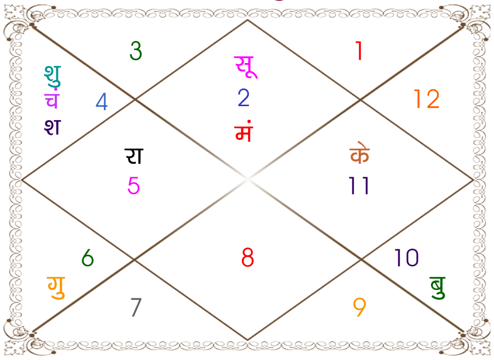

Shivshakti jotish sadan
Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India
8077312012,9412412012
acharyaji12012@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 9 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/03/1996		30/12/1998		30/12/2017		30/12/2034		30/12/2041	
30/12/1998		30/12/2017		30/12/2034		30/12/2041		30/12/2061	
	00/00/0000	शनि	02/01/2002	बुध	27/05/2020	केतु	28/05/2035	शुक्र	30/04/2045
	00/00/0000	बुध	11/09/2004	केतु	24/05/2021	शुक्र	27/07/2036	सूर्य	30/04/2046
	00/00/0000	केतु	21/10/2005	शुक्र	24/03/2024	सूर्य	02/12/2036	चंद्र	30/12/2047
	00/00/0000	शुक्र	20/12/2008	सूर्य	29/01/2025	चंद्र	03/07/2037	मंगल	28/02/2049
	00/00/0000	सूर्य	02/12/2009	चंद्र	30/06/2026	मंगल	29/11/2037	राहु	29/02/2052
	00/00/0000	चंद्र	03/07/2011	मंगल	27/06/2027	राहु	18/12/2038	गुरु	30/10/2054
	10/03/1996	मंगल	11/08/2012	राहु	14/01/2030	गुरु	24/11/2039	शनि	30/12/2057
मंगल	05/08/1996	राहु	18/06/2015	गुरु	21/04/2032	शनि	01/01/2041	बुध	29/10/2060
राहु	30/12/1998	गुरु	30/12/2017	शनि	30/12/2034	बुध	30/12/2041	केतु	30/12/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/12/2061		30/12/2067		30/12/2077		29/12/2084		31/12/2102	
30/12/2067		30/12/2077		29/12/2084		31/12/2102		00/00/0000	
सूर्य	18/04/2062	चंद्र	29/10/2068	मंगल	28/05/2078	राहु	11/09/2087	गुरु	17/02/2105
चंद्र	18/10/2062	मंगल	30/05/2069	राहु	15/06/2079	गुरु	04/02/2090	शनि	31/08/2107
मंगल	23/02/2063	राहु	29/11/2070	गुरु	21/05/2080	शनि	11/12/2092	बुध	06/12/2109
राहु	17/01/2064	गुरु	30/03/2072	शनि	30/06/2081	बुध	30/06/2095	केतु	12/11/2110
गुरु	05/11/2064	शनि	30/10/2073	बुध	27/06/2082	केतु	18/07/2096	शुक्र	13/07/2113
शनि	18/10/2065	बुध	31/03/2075	केतु	23/11/2082	शुक्र	19/07/2099	सूर्य	01/05/2114
बुध	24/08/2066	केतु	30/10/2075	शुक्र	23/01/2084	सूर्य	12/06/2100	चंद्र	31/08/2115
केतु	30/12/2066	शुक्र	30/06/2077	सूर्य	30/05/2084	चंद्र	12/12/2101	मंगल	11/03/2116
शुक्र	30/12/2067	सूर्य	30/12/2077	चंद्र	29/12/2084	मंगल	31/12/2102		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशवाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका द्रढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।